डॉ कनाद दास बने बीएसआइ के 13वें निदेशक

कोलकाता. प्रख्यात वैज्ञानिक और माइकोलॉजिस्ट डॉ कनाद दास ने कोलकाता स्थित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआइ) के निदेशक के पद का कार्यभार संभाला. डॉ प्रतिभा गुप्ता, निदेशक (प्रभारी) और वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में उन्हें भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा और निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ दिलायी गयी. डॉ दास बीएसआइ के 13वें निदेशक बने हैं. इससे पहले यह पद डॉ एए माओ के पास था, जिनकी सेवानिवृत्ति के बाद से यह पद रिक्त था और डॉ प्रतिभा गुप्ता प्रभारी निदेशक के तौर पर कार्यभार संभाल रही थीं. वर्ष 1890 में स्थापित बीएसआइ देश में वनस्पति और माइकोलॉजिकल शोध तथा संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी संस्था रही है. डॉ दास

पहली बार ऐसे निदेशक बने हैं जिनकी विशेषज्ञता कवक (फंगी) के वर्गीकरण (टैक्सोनॉमी) में है. उनका वैज्ञानिक सफर 1999 में बीएसआइ के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र देहरादून में जूनियर रिसर्च फेलो के रूप में शुरू हुआ. वर्षों के शोध कार्य के दौरान उन्होंने जंगली मशरूम की खोज, पहचान, वर्गीकरण और प्रलेखन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. उनकी अद्वितीय उपलब्धियों में भारत से दो नयी जातियां (जीनरा) और 165 नयी प्रजातियों के जंगली मशरूम की खोज शामिल है. इसके अलावा, उन्होंने जंगली मशरूम पर आठ पुस्तकें भी लिखी हैं. यह जानकारी बीएसआइ के वैज्ञानिक संजय कुमार ने दी.